Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

भारतीय अर्थव्यवस्था और GDP

हालिया संदर्भ :

- हालिया अनुमानों के मुताबिक मार्च 2025 में खत्म होने वाले वित्तीय वर्ष (2024–25) के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था में 6.5%–7.0% की वृद्धि का अनुमान है।
- यह अनुमान RBI द्वारा किए गए पूर्वानुमान 7.2% से काफी कम है।

GDP :

- *** सकल घरेलू उत्पाद (GDP) एक निश्चित समयावधि (सामान्यतः एक वित्तीय वर्ष) में किसी देश के भौगोलिक सीमा के भीतर उत्पादित समस्त अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के बाजार/मौद्रिक मूल्य के बराबर होता है।
- यह किसी देश की अर्थव्यवस्था का चित्रण करता है, जो उसके आकार एवं विकास–दर के अनुमान लगाने के लिए प्रयोग में लाया जाता है।
- *** इसे राष्ट्रीय विकास एवं प्रगति का सबसे शक्तिशाली संकेतक माना जाता है।

- इसका प्रयोग विभिन्न क्षेत्रों के देश की अर्थव्यवस्था में दिए गए योगदान को समझने के लिए भी किया जाता है।

*** नाममात्र :

- इसे मुद्रास्फीति या अवस्फीति को ध्यान में रखे बिना अंतिम रूप से उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं का वर्तमान मूल्य पर मूल्यांकित कर प्राप्त किया जाता है।
- इसे वर्तमान GDP भी कहा जाता है।

*** वास्तविक GDP :

- इसे तैयार करते समय मुद्रास्फीति/मुद्राविस्फीति को समायोजित किया जाता है।

GDP का संशोधन :

- अंतिम GDP जारी किए जाने से पहले GDP अनुमानों को तीन बार संशोधित किया जाता है।

1. **अग्रिम अनुमान** :– यह वित्तीय वर्ष के पहले 7–8 महीनों के लिए बिक्री डेटा एवं औद्योगिक उत्पादन के आधार पर तय किया जाता है।

2. **संशोधित अनुमान** :– यह वास्तविक निधियों पर आधारित होता है, जिसे सरकार वित्तीय वर्ष के अंत तक विशेष क्षेत्रों में वितरित करने की संभावना रखती है।

3. **अंतिम अनुमान** :– इसे सभी क्षेत्रों से डेटा प्राप्त कर दिए जाने एवं उसके सत्यापित किए जाने के बाद प्रकाशित किया जाता है।

GDP वृद्धि का अनुमान :

- *** 2023–24 की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, 2024–25 के लिए GDP वृद्धि दर 6.5%–7.0% अनुमानित है, जो आर्थिक सर्वेक्षण 2022–23 के अनुपात (8.2%) से कम है।
- *** 2023–24 के लिए वास्तविक GDP वृद्धि दर 7.6% थी।

- GDP वृद्धि को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में अप्रत्याशित मौसमी पैटर्न, भू–राजनीतिक तनाव, विकसित बाजारों की अनिश्चितताएं एवं स्थानीय मांग–उत्पादन आदि शामिल है।

Note :– विकासशील अर्थव्यवस्था होने के कारण बाहरी एवं स्थानीय कारकों का GDP वृद्धि में त्वरित एवं व्यापक प्रभाव पड़ता है।

दक्षिण एशियाई दिग्गज :

- *** भारत वर्तमान में विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि दक्षिण–एशियाई देशों में यह प्रथम स्थान पर है।
- *** भारत का GDP वैश्विक GDP में लगभग 8% का योगदान देता है।
- *** भारत को चीन के साथ 'उभरती हुई अर्थव्यवस्था' के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसका प्रमुख कारण बड़ी आबादी के सापेक्ष कम प्रति व्यक्ति आय (Per Capita Income) है।
- कम प्रति व्यक्ति आय लगातार विस्तारित हो रहे GDP के बावजूद एक प्रमुख चुनौती बनी हुई है।

रिपोर्ट : तिमाही एवं वार्षिक :

- भारत में GDP की गणना वार्षिक एवं तिमाही रूप से की जाती है।

1. पहली तिमाही – अप्रैल–जून
2. दूसरी तिमाही – जुलाई–सितंबर
3. तीसरी तिमाही – अक्टूबर–दिसंबर
4. चतुर्थ तिमाही – जनवरी–मार्च

- तिमाही रिपोर्ट जारी होने में देरी से कई नीतिगत कार्यवाहियों में देरी हो सकती है।

रिपोर्ट प्रकाशन :

- *** GDP का त्रैमासिक एवं वार्षिक रिपोर्ट सांख्यिकी एवं कार्यक्रम मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा जारी किया जाता है।
- त्रैमासिक रिपोर्ट कम अंतराल पर अर्थव्यवस्था की गति को मापने के लिए उपयोगी होता है तथा आर्थिक स्थिति पर लगातार अपडेट देता है, जिससे नीति–निर्माता समायोजित एवं प्रासंगिक नीति बना सकें।

संकेतक :

- त्रैमासिक अनुमान आर्थिक मंदी के शुरुआती संकेतक होते हैं।
- *** लगातार दो तिमाहियों में GDP में गिरावट अर्थव्यवस्था की मंदी के ओर बढ़ने के संकेतक होते हैं।
- सरकार द्वारा जारी हालिया आंकड़े मंदी के संकेतक है क्योंकि 2024–25 की दूसरी तिमाही (जुलाई–सितंबर) के दौरान वास्तविक GDP वृद्धि दर पिछले 7 तिमाहियों के निचले स्तर (5.4%) पर आ गई है, वहीं 2024–25 की पहली तिमाही (अप्रैल–जून) के दौरान यह वृद्धि दर 6.7% रही थी।

  Note :– 2023–24 की दूसरी तिमाही में GDP वृद्धि दर 8.1% रही थी।

- सरकार का मानना है कि सीजनल मांग (त्योहार के कारण) और कृषि क्षेत्र की स्वस्थ वृद्धि जैसे कारकों से अर्थव्यवस्था में सुधार संभव है।
- RBI ने हालिया मौद्रिक नीति समिति की बैठक में GDP पूर्वानुमान को 7.2% से 6.6% कर दिया है लेकिन उसने अर्थव्यवस्था को समर्थन देने वाले कई कारकों पर भरोसा जताया है, जो है–
  - स्वस्थ खरीफ फसल एवं बेहतर रबी बुवाई, जो कृषि क्षेत्र में वृद्धि का संकेतक है,
  - औद्योगिक क्षेत्र में सकारात्मकता की उम्मीद,
  - सेवा क्षेत्र में निरंतर और मजबूत वृद्धि का अनुमान,
  - सरकारी पूंजीगत व्यय में वृद्धि,

- उपरोक्त कारकों को ध्यान में रखते हुए RBI ने तीसरी और चौथी तिमाही के लिए GDP वृद्धि दर क्रमशः 6.8% और 7.3% निर्धारित की है।

विशेषज्ञ समर्थन :

- अर्थशास्त्र विशेषज्ञों का मानना है कि RBI को रेपो रेट को 6.5% से कम कर देना चाहिए ताकि मांग में वृद्धि की जा सके। हालांकि RBI ने पिछले 10 बैठकों से रेपो रेट को 6.5% पर बरकरार रखा है।
- RBI ने दिसंबर की अपनी बैठक में अतिरिक्त तरलता प्रदान करने के लिए CRR (नकद आरक्षित अनुपात) में 50 आधार अंकों (Base Points) की कमी करते हुए इसे 4% कर दिया, जो पूर्व में 4.5% था।

*** अन्य महत्वपूर्ण शब्दावली :

1. NDP :

- शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP) GDP से ह्रास घटाने के बाद प्राप्त किया जाता है।
- इसके तहत पूंजी एवं अन्य संपत्तियों को प्रयोग किए जाने के कारण मूल्य में आने वाले कमी को ध्यान में रखा जाता है।

2. GNP :

- सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP), GDP से अलग होता है।
- एक निश्चित समयावधि में किसी देश के निवासियों द्वारा अंतिम रूप से उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्य के बराबर होता है।
- इसमें देश की भौगोलिक सीमा मायने नहीं रखती है।
- इसे प्राप्त करने के लिए GDP में से विदेशों से प्राप्त शुद्ध आय को घटा दिया जाता है।

3. NNP :

- शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP) प्राप्त करने के लिए GNP में से ह्रास को घटा दिया जाता है।

MCQ–1 : जीडीपी के वृद्धि दर से संबंधित त्रैमासिक एवं वार्षिक रिपोर्ट किस मंत्रालय के अधीनस्थ संस्था द्वारा जारी किया जाता है।

a) उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय
b) श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
c) सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय
d) वित्त एवं कॉर्पोरेट मंत्रालय

Ans.–(c)

MCQ–2 : निम्न में से कौन सा कथन सत्य है–

a) नाममात्र जीडीपी मुद्रास्फीति को समायोजित कर, जबकि वास्तविक जीडीपी मुद्रास्फीति को समायोजित किए बिना निर्धारित किया जाता है।
b) भारत को हाल ही में 'विकसित अर्थव्यवस्था' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
c) किसी वित्तीय वर्ष के दौरान पहली तिमाही अप्रैल से जून के मध्य अवधि को कहा जाता है।
d) न्यूनतम तीन तिमाहियों के दौरान जीडीपी वृद्धि दर में आई गिरावट अर्थव्यवस्था में तेजी के संकेतक है।

Ans.–(c)

Mains–1 : जीडीपी (GDP), जीएनपी (GNP) एवं एनडीपी (NDP) की सटीक परिभाषा दीजिए तथा भारत के जीडीपी विस्तार के सम्मुख विद्यमान चुनौतियों को संभावित उपाय के साथ बताइए।

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.

Result Mitra

1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.

2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹

3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹

4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹

5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

कोर्स या Test Series के लिए

WhatssApp कीजिये

9235313184, 9235446806